भारतीय जनसंचार संस्थान

नयी मीडिया एवं नीति का केन्द्र

मीडिया के स्वरूप में आ रहे परिवर्तनों के अध्ययन को नयी मीडिया नीति के केन्द्र का मूल विषय माना गया। नये मीडिया का व्यापक अर्थ पुराने मीडिया के नये उपयोग की खोज करना और मीडिया के परिदृश्य में परिवर्तन लाने वाले तकनीकी परिवर्तनों के साथ-साथ भूमंडलीकरण और एकीकरण की पहचान करना है।

नयी मीडिया एवं नीति के केन्द्र के लिए भावी योजना

नये मीडिया एवं नीति केन्द्र (सीएनएमपी) ने नये मीडिया के क्षेत्र में हो रही नयी गतिविधियों के अध्ययन को अपना विषय बनाया है। आम तौर पर नये मीडिया का अर्थ पुराने मीडिया के नये उपयोग की खोज करने और भूमंडलीकरण, एकीकरण और तकनीकी परिवर्तनों की पहचान करने से है जो मीडिया के परिदृश्य में परिवर्तन ला रहे हैं। भारतीय जनसंचार संस्थान, दिल्ली में स्थित सीएनएमपी का उद्देश्य इस क्षेत्र में जानकारी बढाने और जनसंचार के छात्रों को नयी संचार तकनीकों से अवगत कराने के लिए कराने के लिए वाद विवाद और संवाद शुरू करना है।

यह केन्द्र दूरसंचार, कंप्यूटर और इलेक्ट्रानिक संचार माध्यमों के नीतिगत मामलों में प्रशिक्षण और अनुसंधान पर अपना ध्यान केन्द्रित करेगा। विकासशील देशों को सलाह देने के लिए मौजूदा मीडिया परिदृश्य के सैद्धांतिक आधार का अध्ययन किया जायेगा। सीएनएमपी का उद्देश्य मीडिया के नये रूझानों की खोज करने वाले अनुसंधान को प्रोत्साहित करना और नये मीडिया के आर्थिक और सामाजिक प्रभावों का विश्लेषण करना है। अनुसंधान के निष्कर्षों के व्यापक प्रसार की प्रणाली बनाने के प्रयास किये जायेंगे। सीएनएमपी अपने उद्देश्यों की पूर्ति के लिए सरकार, शिक्षाविदों, नागरिक, समाज और उद्योग के सहयोग के पक्ष में है।

दूरसंचार उद्योग आज विश्व का सबसे बडा और सबसे तेजी से प्रगति करने वाला उद्योग है। भूमंडलीकरण, डिजीटल के उपयोग के साथ-साथ दूरसंचार के एकीकरण, कंप्यूटरीकरण और जनसंचार जैसे कारकों ने ई-गवर्नेस, ई-कामर्स और स्वास्थ्य संचार के क्षेत्र में नये अवसर और नयी चुनौतियां पैदा की हैं। अर्थव्यवस्था और समाज के बीच के सूत्र मीडिया के छात्र को अध्ययन का व्यापक फलक उपलब्ध कराते हैं। संचार संबंधी वातावरण के उदारीकरण ने नियामक और नीतिनिर्धारक के लिए नये सवाल खडे किये हैं। सीएनएमपी इन मुद्दों पर अनुसंधान में बडी भूमिका निभायेगा।

सीएनएमपी के दायरे में आने वाले मुख्य विषय निम्नलिखित हैं :

प्रशिक्षण

- नये मीडिया/दूरसंचार नीति पर स्नातकोत्तर डिप्लोमा शुरू करेगा।
- सरकारी अधिकारियों, उद्योग और स्कालरों के लिए छोटी कार्यशालायें

- सेमिनारट सम्मेलन आदि

अनुसंधान

- स्कालरशिप या अन्य विधि से मूल शोध को आर्थिक सहायता देना
- शोध के निष्कर्षों के प्रसार के उपाय करना। अनुसंधान सभी को ऑनलाईन उपलब्ध होना चाहिए।
- सलाह (तकनीकी विषयों की बजाय अधिकांश नये मीडिया आदि के सामाजिक प्रभावों के क्षेत्र में)
- संबंधित संसाधनों के जरिये इलेक्ट्रानिक डाटा बेस आदि तक पहुंच बनाना।

केन्द्र नये मीडिया के साथ इन विषयों पर भी अपना ध्यान केन्द्रित करेगा

- भूमंडलीकरण/स्थानीयकरण
- विकास

ई गवर्नेन्स

१. ई कामर्स
२. डिजिटल विभाजन/व्यापक सेवा
३. स्वास्थ्य संचार
४. शिक्षा

- नियमन
- सुरक्षा संबंधी मुद्दे

नेटवर्किंग

सीएनएमपी उद्योग, शिक्षा क्षेत्र, समाज और सरकार के बीच सहयोग को प्रोत्साहित करेगा। यह देश के अंदर और बाहर के इसी तरह के संस्थानों और केन्द्र के बीच संबंध स्थापित करने की दिशा में भी काम करेगा। उद्योग के विशेषज्ञों, गैर सरकारी संगठनों, शिक्षाविदों और सरकारी अधिकारियों की एक समिति गठित करेगा ताकिः

- केन्द्र को किन नये विषयों और क्षेत्रों में काम करने की जरूरत है इस संबंध में दृष्टिकोण निर्धारित किया जा सके।
- छात्रों की नियुक्ति और आदान प्रदान के कार्यक्रमों में मदद की जा सके।